पिछले तीन वर्षों के दौरान सेना, नौसेना और वायुसेना को विवाहित आवासों के निर्माण के लिए आबंटित की गई धनराशि इस प्रकार है :—

(करोड़ रुपये में)

सेनाएं	1992–93	1993–94	1994–95
	(वास्तविक)	(वास्तविक)	(योजनाबद्ध)
सेना	56.89	79.65	72.36
नौसेना	24.00	20.00	10.00
वायुसेना	19.92	8.12	34.18

विवाहित आवासों की कमी को प्राइवेट आवास किराए पर लेकर पूरा किया जा रहा है ।

हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड में लड़ाकू विमानों का निर्माण

604. **श्री अनन्तराम जायसवाल :**
श्री सत्य प्रकाश मालवीय :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड में लड़ाकू विमानों का निर्माण कार्य लगभग बंद हो गया है, यदि हां, तो इसके क्या कारण है ;

(ख) वर्ष 1993–94 के लिए एच० ए०एल० में लड़ाकू और जैट विमानों के निर्माण हेतु क्या लक्ष्य रखा गया था तथा इस दौरान कितने विमानों का निर्माण किया गया ;

(ग) क्या वर्ष 1993–94 के दौरान भारतीय वायु सेना को कोई लड़ाकू विमान/मिग विमान उपलब्ध कराया गया, यदि हां, तो उपलब्ध कराए गये विमानों का संख्यावार ब्यौरा क्या है ; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को चालू रखने के संबंध में सरकार का क्या निर्णय है ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) जी, नहीं ।

(ख) से (घ) ऐसे विवरण देना सुरक्षा के हित में नहीं होगा ।

Selection of women candidates by IAF

605. SHRI VIREN J. SHAH:
SHRI PRAMOD MAHAJAN:
Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a letter to the Editor published in the 'Pioneer' of February 8, 1995 under the caption, "IAF has let Government down";

(b) if so, what are the facts in this regard:

(c) what is the number and the names of women candidates who were selected